प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में मोटे अनाजों के प्रति जागरूकता रैली

पंतनगर 22 अगस्त 2025। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आयोजित तीन–दिवसीय 'श्रीअन्न महोत्सव' के दूसरे दिन कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा कृषि महाविद्यालय से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली कृषि महाविद्यालय से विभिन्न महाविद्यालयों से होते हुए डा. नॉर्मन ई. बोरलॉग फसल अनुसंधान केंद्र पर समाप्त हुई। श्री अन्न (मिलेट) पर जागरूकता के लिए निकाली गई रैली में छात्रों–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और श्रीअन्न (मोटे अनाज) की प्रशंसा में ऊर्जा से भरपूर नारे लगाए। उन्होंने मोटे अनाजों को जलवायु–अनुकूल फसलों के रूप में प्रचारित करते हुए इनके महत्व को रेखांकित किया। इस पहल का उद्देश्य 'अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष–2023 के तहत उत्पन्न वैश्विक जागरूकता को आगे बढ़ाना और आम जनता को अपने दैनिक आहार में श्रीअन्न जैसे पोषक अनाजों को शामिल करने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति डा. चौहान ने कहा कि श्रीअन्न (मोटे आनाज) न केवल आयरन, कैल्शियम और फाइबर जैसे पोषक तत्वों से भरपूर हैं, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन के प्रति भी अत्यधिक सहनशील है। उन्होंने इसे खाद्य सुरक्षा, किसानों की आजीविका और पारिस्थितिक संतुलन के लिए एक स्थायी समाधान बताया। उन्होंने कहा कि श्रीअन्न का उत्पादन और उपभोग बढ़ाने से न केवल कुपोषण से लड़ने में मदद मिलगी बल्कि यह किसानों को बेहतर आमदनी और पर्यावरण को संतुलन भी प्रदान करेगी। कुलपति ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण को प्रत्येक छात्रावास में सप्ताह में 2 दिन श्री अन्न आधारित भोजन उपलब्ध कराये जाने का सुझाव दिया। इससे एक ओर जहां छात्रों को स्वास्थ लाभ होगा वहीं श्री अन्न की मांग बढ़ेगी और पर्वतीय क्षेत्रों के किसान श्री अन्न का अधिक उत्पादन कर अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकेंगे।

निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और सामूहिक प्रयासों से जागरूकता फैलाने में छात्रों, शिक्षकों व प्रशासन की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल विश्वविद्यालय के स्थायी कृषि और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के मिशन को सुदृढ़ करती हैं। यह रैली पोषण–संवेदनशील कृषि पर संवाद और चेतना को आगे बढ़ाने की दिशा में विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई, जो किसानों व उपभोक्ताओं को श्रीअन्न की महत्ता से जोड़ने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशकगण, संकाय सदस्य, विद्यार्थी एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

विश्वविद्यालय के गांधी हाल में दिनांक 23 अगस्त 2025 को विकसित राष्ट्रों के लिए भारत में श्रीअन्न की पुनः खोज (रिमाइंडर–2025) विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा।